KHAN GLOBAL STUDIES
Kisan Cold Storage, Sai Mandir, Musallahpur Hatt, Patna - 6
Mob. : 8877918018, 8757354880

BPSC- Bihar History

By : Khan Sir
(मानचित्र विशेषज्ञ)

बिहार का आधुनिक इतिहास
(Modern History of Bihar)

बिहार में यूरोपीय कम्पनीयों का आगमन

- बिहार में व्यापार हेतू आने वाले पहले व्यापारी पुर्तगाली थे।
- हुगली इनका व्यापारी केन्द्र था। ये नाव द्वारा पटना आते -जाते थे।
- बिहार उस समय शोरा उत्पादन के लिए प्रसिद्ध था। जिस कारण यूरोपीय बिहार की ओर आकर्षित हुए।
- अंग्रेजो ने 1620 ई. में पटना में अपना फैक्ट्री स्थापित किया। लेकिन यह सफल नहीं हुआ।
- शुरू में अंग्रेज सूती वस्त्र, शोरे की प्राप्ति तथा अनाज में ही रूचि रखते थे। उसके बाद अंग्रेजों की रूचि नील की ओर हो गई।
- 1632 ई. में पटना में डच फैक्ट्री की स्थापना हुई।
- बिहार के सूबेदार शाइस्ता खां द्वारा व्यापार पर कर लगा दिया गया। जिस कारण ब्रिटिश फैक्ट्री प्रमुख जॉन चारनॉक ने हुगली शहर को लुट लिया।
- 1717 ई. में फर्रुखशियर ने अंग्रेजों को बिहार एवं बंगाल में व्यापार करने की स्वतंत्रता दे दी।
- अंग्रेज व्यापारी जॉन मार्शल पटना आए और वह 1630 से 1634 के मध्य बिहार में रहे।
- 1691 ई. में पटना के गुलजारबाग में ईस्ट इंडिया कंपनी ने स्थायी माल गोदाम स्थापित किया।
- प्लासी का युद्ध (1757) के पश्चात् अंग्रेजों ने बंगाल का नवाब मीर ज़ाफर को बना दिया।
- इसी दौरान लॉर्ड क्लाइव के साथ मीर ज़ाफर पटना आया।
- 1783 ई. में बिहार में परे भीषण आकाल का सामना करने हेतु पटना में गोलघर का निर्माण करवाया गया।
- अंग्रेजों ने अपने हितों की पूर्ति के लिए मीरज़ाफर को बंगाल का नवाब बनाया परंतु अंग्रेजों की बात न मानने के कारण मीरज़ाफर को पद से हटा कर मीरकासिम को बंगाल का नवाब बना दिया।
- मीर कासिम ने भी अंग्रेजों की हस्तक्षेप से बचने के लिए अपनी राजधानी मुर्शिबाद से मुंगेर स्थानांतरित किया।
- अंग्रेजों की नीति से अत: असंतुष्ट होकर अवध के नवाब शुजाउद्दौला, मुगल बादशाह शाह आलम द्वितीय एवं बंगाल के अपदस्थ नवाब मीर कासिम की संयुक्त सेना तथा हेक्टर मुनरो के नेतृत्व के अंग्रेजी सेना के मध्य 1764 ई. में बक्सर का युद्ध हुआ।
- इस युद्ध में अंग्रेज की विजय हुई।
- अंग्रेजों को बंगाल, बिहार तथा उड़ीसा की दीवानी प्राप्त हो गई।
- इसके साथ ही भारत की राजनैतिक शक्ति के रूप में अंग्रेजों का उभार हुआ।
- शाह आलम द्वितीय द्वारा बंगाल, बिहार तथा उड़ीसा के क्षेत्र में लगान वसूली का अधिकार ईस्ट इंडिया कंपनी को प्रदान करने से बिहार के सामान्य प्रशासन पर भी अंग्रेजों का नियंत्रण स्थापित हुआ तथा 1765 ई. में बिहार तथा बंगाल के क्षेत्र में द्वैध शासन लाया गया।
- 1793 ई. में लागू स्थायी बंदोबस्त प्रणाली में बिहार को भी शामिल किया गया।
- अंग्रेजों द्वारा बिहार में फौजदारी प्रशासन को अपने अधिकार में लेने के पश्चात् चार्ल्स फ्रांसिस ग्रांट के प्रथम अंग्रेज मजिस्ट्रेट के पद पर नियुक्त किया गया।

❖ आधुनिक काल में बिहार का प्रशासनिक परिवर्तन-

- 1865 में पटना और गया को अलग-अलग जिलों में संगठित किया गया।
- 1866 में सारण जिले से अलग कर चम्पारण जिले का निर्माण किया गया।
- 1869 में पटना जिले के कुछ क्षेत्र को तिरहुत में मिलाया गया।
- 1875 में तिरहुत को मुजफ्फरपुर तथा दरभंगा नामक दो इकाइयों में विभाजित किया गया।

बिहार में जनजातीय आंदोलन

जनजातीय विद्रोह	विशेषताएँ
तमाड़ विद्रोह (1789–94)	• इस विद्रोह के नेता भोलानाथ सहाय, विष्णु मानकी, दुखन मुंडा, ठाकुर विश्वनाथ सिंह थे।
'हो' विद्रोह (1820–21)	• छोटानागपुर के जनजातीय समाज ने सिंहभूम के राजा जगन्नाथ सिंह के द्वारा भूमि एवं उपज में 'कर' बढ़ोतरी के विरुद्ध विद्रोह कर दिया।
कोल विद्रोह (1831–32)	• विद्रोह का क्षेत्र छोटानागपुर, पलामू, सिंहभूम और मानभूम था। • विद्रोह के नेतृत्वकर्त्ता बुद्धो भगत, सिंगराय एवं सुर्गा मुंडा रहे।
भूमिज विद्रोह (1832–33)	• यह विद्रोह बड़ाभूम (वीरभूम) में शुरुआत हुई थी। • इसका नेतृत्वकर्त्ता गंगानारायण था।

संथाल विद्रोह (1855-56)	• इस विद्रोह का क्षेत्र वीरभूम सिंहभूम, हजारीबाग और भागलपुर, बाँकुड़ा था। इस विद्रोह के नेतृत्वकर्ता सिद्धू, कान्हू, भैरव एवं चाँद थे। • इस विद्रोह के फलस्वरूप संथाल परगना जिले का निर्माण 30 नवंबर, 1856 में किया गया। इस जिले का प्रथम जिलाधीश एशली एडेन को बनाया गया।
खरवार विद्रोह (1874-75)	• इस विद्रोह का नेतृत्वकर्त्ता भागीरथ माँझी था। इस विद्रोह का उद्देश्य: मुख्यत: जनजातीय परंपराओं और प्राचीन मूल्यों को स्थापित करना था।
मुंडा विद्रोह (1899-1900)	• अंग्रेजों के विरुद्ध दिसंबर 1899 में मुंडा आदिवासियों द्वारा (छोटानागपुर क्षेत्र की मुख्य जनजाति) अपने शोषण और उत्पीड़न के खिलाफ बिरसा मुंडा के नेतृत्व में यह आंदोलन किया गया। • मुंडा आदिवासियों के इस महान आंदोलन को उलगुलान कहा जाता है। • 3 फरवरी, 1900 ई. को बिरसा मुंडा को चक्रधरपुर से सोते हुए पकड़ा गया तथा राँची जेल में कैद कर दिया गया। • जेल में ही हैजा रोग के शिकार होने के कारण बिरसा मुंडा की मृत्यु 30 मई, 1900 ई. को हो गई।
ताना भगत आंदोलन (1914-1915)	• जतारा भगत के नेतृत्व में यह आंदोलन उराव, मुंडा एवं संथाल जनजातियों के द्वारा सम्मिलित रूप से किया गया आंदोलन था। • इस आंदोलन के अन्य नेता देविया, माया, सिबू आदि थे।
लोटा विद्रोह	• मुजफ्फरपुर की जेल में बंद कैदियों के बीच पीतल के लोटे के स्थान पर मिट्टी के लोटे देने के क्रम में कैदियों ने 1856 ई. में विद्रोह कर दिया।
चेरो विद्रोह (1800-02)	• अंग्रेजों ने पलामू के चेर शासक छत्रपति से दुर्ग की मांग की। परंतु छत्रपति राय ने दुर्ग समर्पण से मना कर दिया। • इससे अंग्रेजों तथा चेर शासक के बीच युद्ध हुआ और इस दुर्ग पर अंग्रेजों का कब्जा हो गया। • 1783 ई.में अंग्रेजों के समर्थन से चूड़ामन राय शासक बना। इसके विरुद्ध धीरे-धीरे असंतोष बढ़ता गया और 1800 ई. में चेरों के विरोध ने खुले विद्रोह का रूप धारण कर लिया।
नोनिया विद्रोह (1770-1800)	• यह विद्रोह बिहार के तिरहुत सारण, पूर्णिया एवं हाजीपुर में शुरू हुआ। • इसका मुख्य कारण शोरा उत्पादन का उचित मूल्य उत्पादों को न मिलना था।
सरदारी आंदोलन	• इस आंदोलन का मुख्य उद्देश्य जमींदारों को बाहर निकालना, बेगारी प्रथा को समाप्त करना तथा भूमि पर लगाए गए प्रतिबंधों का विरोध करना था।

1857 की क्रांति तथा बिहार

- भारत में अंग्रेजों के विरूद्ध सबसे सशक्त जन आंदोलन 1857 ई. का था।
- इस क्रांति में बिहार की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।
- बिहार में 1857 की क्रांति की शुरुआत 12 जून, 1857 की देवघर (झारखंड) जिले के रोहिणी नामक गाँव में हुई। यहाँ 32वीं रेजीमेंट का मुख्यालय था।
- इस विद्रोह में लेफ्टीनेंट नार्मन रेस्ली एवं सहायक सर्जन डॉ. ग्रांट मारे गए।
- 16 जून 1857 को 3 सैनिकों को फांसी दी गई तथा 32वें रेजीमेंट के कार्यालय को रोहिणी से भागलपुर स्थानांतरित कर दिया गया।
- इस समय पटना के कमिश्नर विलियम थे तथा दानापुर स्थित सैनिक मुख्यालय मेजर जनरल लोआयट के नियंत्रण में था।
- 3 जुलाई, 1857 ई. को पटना सिटी के एक पुस्तक विक्रेता पीर अली के नेतृत्व में अंग्रेजों के विरुद्ध संघर्ष हुआ।
- इस विद्रोह के दमन के प्रयास में अफीम व्यापार का एजेंट लायल मारा गया। परंतु कमिश्नर टेलर ने इस विद्रोह को दबा दिया।
- पीर अली सहित 16 विद्रोहियों को गिरफ्तार कर फांसी दे दिया गया।
- 25 जुलाई, 1857 को मुजफ्फरपुर में भी असंतुष्ट सैनिकों ने कुछ अंग्रेज अधिकारियों की हत्या कर दी।
- 25 जुलाई की दानापुर के तीन रेजीमेंट के सैनिकों ने शाहबाद जिले में जगदीशपुर के जमींदार वीर कुँवर सिंह के नेतृत्व में विद्रोह कर दिया।
- इस विद्रोह में कुँवर सिंह के छोटे भाई अमर सिंह ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।
- कुँवर सिंह ने जगदीशपुर किले में बंदूकों एवं गोला बारूद बनाने का कारखाना स्थापित किया।
- उन्होंने सैनिकों का नेतृत्व करते हुए आरा क्षेत्र पर अधिकार कर लिया।
- आरा के विद्रोही सैनिकों के अधिकार से मुक्त करवाने गए कैप्टन डनवर की इस संघर्ष से मृत्यु हो गई।
- अंग्रेजों से संघर्ष के दौरान उनके हाथ में तोप का गोला लग गया, जिससे संक्रमण फैल जाने के कारण उन्होंने अपना एक हाथ काट कर अलग कर दिया।
- 26 अप्रैल, 1858 को कुँवर सिंह की मृत्यु के पश्चात् उनके छोटे भाई अमर सिंह ने अंग्रेजों के विरूद्ध विद्रोह का नेतृत्व किया।
- अमर सिंह ने जगदीशपुर में एक समानांतर भारतीय सरकार की स्थापित की।
- अमर सिंह के भाई हरकिशन सिंह इस सरकार के प्रमुख थे।

कांग्रेस की स्थापना तथा बिहार

- कांग्रेस की स्थापना 28 दिसम्बर, 1885 को बम्बई के गोलुकदास संस्कृत विद्यालय में अंग्रेज ए.ओ. ह्यूम द्वारा की गई थी।
- जिसके प्रथम अध्यक्ष डब्ल्यू.सी. बनर्जी थे।
- कांग्रेस के प्रथम अधिवेशन में 72 प्रतिनिधि ने भाग लिया लेकिन बिहार का कोई प्रतिनिधि इसमें भाग नहीं लिया।
- कांग्रेस के दूसरे अधिवेशन में बिहार के 31 प्रतिनिधियों ने भाग लिया जबकि तृतीय अधिवेशन में बिहार के मात्र 2 प्रतिनिधियों ने भाग लिया था।
- कांग्रेस का 27वां अधिवेशन तथा बिहार में आयोजित होने वाला प्रथम अधिवेशन 1912 ई. में बांकीपुर (पटना) में हुआ था।
- जिसकी अध्यक्षता रघुनाथ नरसिंह मधोलकर द्वारा की गयी थी।
- 1922 ई. में कांग्रेस के 37वां अधिवेशन का आयोजन बिहार के गया में किया गया। जिसकी अध्यक्षता चितरंजन दास ने की थी।

बिहार में धर्म एवं समाज सुधार आंदोलन

- केशवचंद्र सेन की प्रेरणा से पटना और गया में ब्रह्म समाज की शाखा स्थापित की गई।
- भागलपुर में 1866 ई. में डॉ. कृष्ण नंदन घोष द्वारा ब्रह्म समाज की शाखा स्थापित की गई।
- बिहार के प्रमुख सुधारकों में प्रकाश चंद्र राय, गुरु प्रसाद सेन, निवारण चंद्र मुखर्जी, हरिसुंदर बोस और कामिनी देवी का नाम शामिल है।
- आर्य समाज के संस्थापक स्वामी दयानंद सरस्वती द्वारा भी बिहार की यात्रा की गई। उनके द्वारा मुंगेर, भागलपुर, पटना और छपरा आदि शहरों की यात्रा की गई।
- बिहार के दानापुर में 1885 ई. में पहला आर्य समाज मंदिर स्थापित किया गया। पटना, मुजफ्फरपुर, सीवान, आरा, मोतिहारी और भागलपुर आदि शहरों में इसकी शाखाएँ स्थापित की गई।
- बिहार प्रांत के प्रमुख सुधारकों में पंडित अयोध्या प्रसाद, भवानी दयाल संन्यासी, बालकृष्ण सहाय, डॉ. केशव देव शास्त्री आदि के नाम आते हैं।
- 1868 ई. में रामकृष्ण परमहंस द्वारा और 1886, 1890 और 1896 ई. में स्वामी विवेकानंद द्वारा बिहार की यात्रा की गई।
- बिहार के जमशेदपुर (वर्तमान झारखंड) में 1920 में पहली बार रामकृष्ण मिशन की शाखा स्थापित की गई।
- 1922 में पटना एवं देवघर में इसकी शाखाएँ खोली गई। शिक्षा का अध्यात्म के क्षेत्र में इस संस्था का महत्त्वपूर्ण योगदान रहा।
- बिहार में इसके प्रमुख सुधारकों में जतींद्रनाथ मुखर्जी और डॉ. राजेश्वर ओझा का नाम उल्लेखनीय है।
- 1894 में थियोसोफिकल सोसायटी के संस्थापक कर्नल ऑलकॉट और एनी बेसेंट ने बिहार की यात्रा की।
- पूर्णेंदु नारायण सिन्हा 'थियोसोफिकल सोसायटी ऑफ इंडिया' के एक दशक तक महासचिव भी रहे।
- 1890-91 में पटना में मौलाना अब्दुर रहीम द्वारा स्थापित 'मदरसा इस्लाहुल मुसलेमीन' ऐसी पहली संस्था थी जिसे सबसे पहले स्थापित किया गया।
- बिहार में 1917 में मौलाना मोहम्मद सज्जाद ने 'जमीतुल उलेमाएँ हिंद' की शाखा संगठित की।
- वर्ष 1921 ई. में खिलाफत और असहयोग आंदोलन के दौरान 'इमारते शरीया' नाम की एक महत्त्वपूर्ण संस्था की स्थापना बिहार के मुसलमानों द्वारा स्थापित की गई। इसके भी संस्थापक मौलाना मोहम्मद सज्जाद थे। इस संस्थान का मुख्यालय पटना के फुलवारी शरीफ में स्थित था।
- 1846 में 'अनस्टेशियस हार्टमैन' नामक पादरी को पटना में स्थापित कर, धर्म प्रचार का कार्य सौंपा गया।

चम्पारण सत्याग्रह (1917 ई.)

- चम्पारण सत्याग्रह बिहार ही नहीं अपितु पूरे भारत का महत्वपूर्ण घटना है।
- यह महात्मा गांधी द्वारा भारत में किया गया पहला सत्याग्रह आंदोलन था।
- इसमें किसानों को शोषण संबंधित ब्रिटिश सरकार की नीतियों का अंहिसात्मक रूप से विरोध किया गया था।
- चंपारण में अंग्रेज बागान मालिकों द्वारा वहाँ के किसानों से एक अनुबंध किया गया जिसके तहत किसानों को अपनी भूमि के 3/20वें हिस्से पर नील की खेती करने को विवश किया गया। इसे तीनकठिया पद्धति कहा गया।
- कांग्रेस के लखनऊ अधिवेशन 1916 में बिहार का प्रतिनिधित्व ब्रजकिशोर प्रसाद और राजकुमार शुक्ल जैसे चंपारण के किसान नेताओं द्वारा किया गया। इसी अधिवेशन में राजकुमार शुक्ल और ब्रजकिशोर प्रसाद ने गांधीजी के द्वारा दक्षिण अफ्रीका में किये गए संघर्ष से प्रभावित होकर उनसे मुलाकात की और उन्हें चंपारण के किसानों की दयनीय स्थिति से अवगत कराया और गांधीजी को चंपारण आने का निमंत्रण दिया।
- 10 अप्रैल, 1917 को गांधीजी का चंपारण आगमन हुआ।
- नील की खेती पर 1917 ई में पहली बार आंदोलन हुआ। इस मुद्दे को लेकर इससे पहले भी 1859-60 ई. 1908 ई. और राजकुमार शुक्ल के द्वारा 1914 में आंदोलन किये गए थे।
- गांधीजी ने 11 अप्रैल मुजफ्फरपुर में बिहार प्लांटर्स एसोसिएशन के मंत्री जे.एम. विल्सन से मुलाकात कर उसे अपने आने का मकसद बताया, लेकिन विल्सन ने गांधीजी को किसी भी प्रकार की सहायता देने से इनकार कर दिया।
- इसके बाद गांधीजी ने तिरहुत डिवीजन के कमिश्नर एल. एफ. मौर्गेंड से मुलाकात की लेकिन यहाँ भी गांधीजी को कोई आश्वासन नहीं मिला।
- मौर्गेंड ने न केवल जाँच और सहायता करने से इनकार किया, बल्कि धारा 144 लगाकार गांधीजी को चंपारण पहुँचने से रोकने की भी कोशिश की।
- 15 अप्रैल को गांधीजी मोतिहारी पहुँच गए जहाँ उनको बाबू गोरख प्रसाद के घर में ठहराया गया।
- चम्पारण के कमिश्नर ने गांधीजी को चम्पारण से जाने का आदेश दिया, परंतु गांधीजी द्वारा आदेश न मानने के कारण उनपर मुकदमा दायर किया गया।
- गांधीजी के सत्याग्रह के दबाव में बिहार के तत्कालीन उपराज्यपाल एडवर्ड अलबर्ट गेट द्वारा एक जांच समिति गठित की गई, जिसके अध्यक्ष एफ.जी.स्लाई थे। गांधीजी सहित एल.सी. अदामी, राजा हरिहर प्रसाद, डी.जे.रीड तथा रैनी इसके सदस्य थे।
- इस समिति को चम्पारण एग्रेरियन समिति का नाम दिया गया।

- इस समिति ने तीनकठिया पद्धति को पूर्णत: समाप्त करने का अनुशंसा की थी।
- चम्पारण सत्याग्रह में राजकुमार शुक्ल, राजेंद्र प्रसाद, अनुग्रह नारायण सिंह, मजहरुल हक, ब्रजकिशोर प्रसाद, धरणीधर, शम्भू शरण आदि गांधीजी की के प्रमुख सहयोगी थे।
- दीन बन्धु मित्र ने अपने बांग्ला नाटक नील दर्पण में नील उत्पादन की शोषणकारी व्यवस्था का सजीव चित्रण किया तथा इसका अंग्रेजी का अनुवाद मधुसुदन ने किया था।
- मार्च 1918 तक चंपारण कृषि बिल पर गवर्नर जनरल द्वारा हस्ताक्षर कर दिये गए। इसके साथ ही तीनकठिया समेत कृषि संबंधी अन्य सभी अवैध कानून समाप्त कर दिये गए।

पटना सचिवालय गोलीकांड

- 11 अगस्त, 1942 को पटना तथा आस-पास के राष्ट्रवादी युवकों द्वारा सचिवालय भवन के सामने बिहार विधानसभा की इमारत पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने का प्रयास किया गया परन्तु पटना के कलेक्टर डब्ल्यू.जी.आर्चर ने इन छात्रों पर गोली चलाने का आदेश दे दिया।
- इस गोलीकांड में सात छात्रों की मृत्यु हो गई तथा अनेक छात्र घायल हुए।
- भारत छोड़ों आंदोलन में जयप्रकाश नारायण ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।
- उन्होंने वर्तमान झारखण्ड की हजारीबाग जेल से फरार होकर नेपाल के राजविलास जंगल में आजाद दस्ते (दल) का गठन किया।
- इस दस्ते का उद्देश्य ब्रिटिश साम्राज्य की समाप्ति हेतु छापामार युद्ध तथा तोड़-फोड़ के माध्यम से ब्रिटिश संपत्ति को नुकसान पहुँचाना था।
- इस दस्ते में शामिल युवकों को सरदार नित्यानंद सिंह द्वारा प्रशिक्षण दिया गया।

पटना गोलीकांड में हुए शहीद-

1. उमाकांत प्रसाद सिन्हा (रमण जी)- निवासी- नरेन्द्रपुर (सारण)
2. सतीश प्रसाद झा - खड़हरा (भागलपुर)
3. जगपति कुमार - खराटी (औरंगाबाद)
4. रामानंद सिंह - शहादत नगर (पटना)
5. देवीपद चौधरी - सिलहट (जमालपुर)
6. रामगोविन्द सिंह - दशरथा (पटना)
7. राजेन्द्र सिंह- वनवारी चक (सारण)

- आजाद दस्ता से प्रेरित होकर बिहार के भागलपुर तथा पूर्णिया में कई ऐसे संगठन की स्थापना की गयी।
- नेपाल सरकार द्वारा जयप्रकाश नारायण, राम मनोहर लोहिया तथा अन्य क्रांतिकारियों के गिरफ्तारी के कारण 1943 ई. के अन्त तक यह आन्दोलन शिथिल पड़ गया।
- जयप्रकाश नारायण इस काल में भूमिगत रहकर इस आंदोलन में सक्रिय भूमिका का निर्वहन किया।
- भारत छोड़ो आंदोलन में गाँधीजी के आह्वान पर बिहार की महिलाओं ने भी बढ़-चढ़ कर ब्रिटिश विरोध में अपना योगदान दिया।
- कदमकुआँ (पटना) में महिला चर्खा क्लब से जुड़ी महिलाओं ने जुलूस निकाल कर सभाओं का आयोजन किया, जिसकी अध्यक्षता श्रीमती भगवती देवी (राजेन्द्र प्रसाद की बहन) ने की।
- सरकारी दमनात्मक नीतियों के विरोध की आग सम्पूर्ण बिहार में फैल गई।
- भारत में ब्रिटिश शासन का विरोध करने हेतु एक ध्रुव दल की स्थापना की गई, जिसके प्रमुख जयप्रकाश नारायण थे।
- फुलेना प्रसाद श्रीवास्तव सीवान थाने पर झण्डा फहराने के दौरान पुलिस की गोलियों के शिकार हुए।
- कुलानंद तथा कर्पूरी ठाकुर द्वारा क्रमश: दरभंगा तथा सिंघवारा में संचार व्यवस्था में व्यवधान उत्पन्न किया गया। दरभंगा, हाजीपुर, मुजफ्फरपुर तथा सीतामढ़ी, चम्पारण में आदि क्षेत्रों में क्रांतिकारियों ने सरकारें गठित कर ली।
- तिरहुत प्रमंडल में जनता का दो महिने तक शासन रहा है।

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. बंगाल की खाड़ी में समुद्री डकैती हेतु हुगली का उपयोग कौन करता था?
(a) डच (b) फ्रांसीसी
(c) पुर्तगाली (d) अंग्रेज
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
65th BPSC (Pre)., 2019

2. डच ईस्ट इंडिया कंपनी ने किस वर्ष अपनी फैक्टरी पटना में स्थापित की?
(a) 1601 (b) 1632
(c) 1774 (d) 1651
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
65th BPSC (Pre)., 2019

3. अंग्रेजी शासनकाल में भारत पर कौन-सा क्षेत्र शोरा तथा अफीम उत्पादन हेतु प्रसिद्ध था?
(a) बिहार (b) दक्षिणी भारत
(c) गुजरात (d) असम
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
47th BPSC (Pre)., 2005

4. सम्राट शाहआलम द्वितीय ने ईस्ट इंडिया कंपनी को बंगाल, बिहार तथा उड़ीसा की दीवानी प्रदान की-
(a) 12 अगस्त, 1765 (b) 18 अगस्त, 1765
(c) 29 अगस्त, 1765 (d) 21 अगस्त, 1765
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
48th to 52nd BPSC (Pre)., 2008

5. बंगाल में द्विशासन प्रणाली किसके द्वारा लागू की गई?
(a) वारेन हेस्टिंग्स (b) विलियम बेंटिक
(c) रॉबर्ट क्लाइव (d) लॉर्ड कर्जन
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
66th BPSC (Pre)., 2020

6. 1857 के विद्रोह का नेतृत्व बिहार में किसने किया?
(a) खान बहादुर खान (b) कुंवर सिंह
(c) तात्या टोपे (d) रानी राम कुंआरी
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
42nd, BPSC (Pre)., 1997
48th to 52nd BPSC (Pre), 2008
63th PSC, (Pre), 2017

7. जगदीशपुर के किस व्यक्ति ने 1857 के विप्लव में क्रांतिकारियों का नेतृत्व किया?
(a) कुंवर सिंह (b) चंद्रशेखर
(c) तीरत सिंह (d) राम सिंह
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
48th to 52nd BPSC (Pre)., 208

8. कुंवर सिंह राजा थे-
(a) हमीरपुर के (b) धीरपुर के
(c) जगदीशपुर के (d) रामपुर के
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
53rd to 55th BPSC (Pre)., 2011

9. कुंवर सिंह अंग्रेजों के खिलाफ 1857 के विद्रोह में किस जगह शामिल हुए?
(a) आरा (b) पटना
(c) बेतिया (d) वाराणसी
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
64th BPSC (Pre)., 2018

10. पटना के 1857 के स्वतंत्रता संग्राम के नेता थे-
(a) हैदर अली खान (b) राजपूत कुंवर सिंह
(c) जुधार सिंह (d) कुशल सिंह
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
43rd BPSC (Pre)., 1999

11. 1857 के विद्रोह का बिहार में 15 जुलाई, 1857 से 20 जनवरी, 1857 तक केंद्र था-
(a) रामपुर (b) हमीरपुर
(c) धीरपुर (d) जगदीशपुर
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
43rd BPSC (Pre)., 1999

12. जगदीशपुर के राजा थे-
(a) नाना साहब (b) तात्या टोपे
(c) लक्ष्मी बाई (d) कुंवर सिंह
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
43rd BPSC (Pre)., 1999

13. कुंवर सिंह ने 1857 के विद्रोह का नेतृत्व किस प्रांत से किया?
(a) पंजाब (b) बंगाल
(c) बिहार (d) महाराष्ट्र
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
45th BPSC (Pre)., 2001-02

14. 1857 के विद्रोह से बिहार का कौन-सा भाग अप्रभावित रहा?
(i) दानापुर (ii) पटना
(iii) आरा (iv) मुजफ्फरपुर
(v) मुंगेर
निम्नलिखित कूटों से अपना उत्तर चुनें-
(a) iv एवं v (b) केवल v
(c) केवल iv (d) iii, iv एवं v
41th BPSC (Pre)., 1996

15. 1857 के विद्रोह को किसके द्वारा 'प्रथम भारतीय स्वतंत्रता संग्राम' के रूप में वर्णित किया गया था?
(a) वी.डी. सावरकर (b) बाल गंगाधर तिलक
(c) आर.सी.मजूमदार (d) दादाभाई नौरोजी
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
67th BPSC (Pre)., 2022

16. ई.एस. 1855 में संथाल विद्रोह का नेतृत्व किसने किया था?
(a) सिद्धु और कान्हू
(b) बुधु भगत और तेजा भगत
(c) मुलु मानेक और जोधा मानेक
(d) मदारी पासी और सहदेव
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
67th BPSC (Pre)., 2022

17. 'संथाल विद्रोह' के नेता कौन थे?
(a) जारा भगत एवं बलराम भगत
(b) सिद्धू एवं कान्हू
(c) गौरक्षिणी भगत एवं केशवचंद्र राय
(d) शम्भूनाथ पाल एवं कोरा मलाया
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

KHAN GLOBAL STUDIES Kisan Cold Storage Campus, Musallahpur, Patna KHAN SIR

67th BPSC (Pre)., Re-Exam, 2022

18. बिरसा मुंडा का कार्य क्षेत्र कौन-सा था?
(a) चंपारण (b) रांची
(c) बलिया (d) अलीपुर

48th to 52nd BPSC (Pre)., 2008

19. 1899-1900 ई. की मुंडा क्रांति का नेता कौन था?
(a) सिधु (b) बूढ़ा भगत
(c) बिरसा मुंडा (d) शम्भूदान

47th BPSC (Pre)., 2005

20. बिरसा मुंडा किसके पक्ष में थे?
(a) झारखंड (b) उत्तरांचल
(c) छत्तीसगढ़ (d) इनमें से कोई नहीं

44th BPSC (Pre)., 2000

21. 1831 में बुद्धो भगत के नेतृत्व में कोल विद्रोह किस क्षेत्र में हुआ?
(a) कच्छ (b) सिंहभूम
(c) पश्चिमी घाट (d) सतारा
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

66th BPSC (Pre)., 2020

22. उलगुलान विद्रोह किससे जुड़ा था?
(a) संथाल (b) कच्छा नागा
(c) कोल (d) बिरसा मुंडा
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

39th BPSC (Pre)., 1994

23. मुंडाओं ने विद्रोह खड़ा किया-
(a) 1885 में (b) 1888 में
(c) 1890 में (d) 1899-1900 में

45th, BPSC (Pre)., 2001-02

24. खुदीराम बोस ने किस स्थान पर किंग्सफोर्ड की हत्या का प्रयास किया था?
(a) पटना (b) दरभंगा
(c) मुजफ्फरपुर (d) गया
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

67th BPSC (Pre)., Re-Exam, 2022

25. 'अनुशीलन समिति' थी-
(a) नारी उत्थान के प्रति समर्पित
(b) विधवा विवाह को प्रोत्साहित करने वाली
(c) मजदूरों के कल्याण में रुचि रखने वाली
(d) एक क्रांतिकारी संगठन

47th BPSC (Pre)., 2005

26. ई.स. 1913 में पटना में अनुशीलन समिति की एक शाखा की स्थापना किसने की थी?
(a) रामानंद सिंह (b) सतीश झा
(c) सचिन्द्रनाथ सान्याल (d) बिपिन झा
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

67th BPSC (Pre)., 2022

27. गांधीजी को चंपारण आने का आमंत्रण किसने दिया था?
(a) राजकुमार शुक्ल (b) राजेंद्र प्रसाद
(c) जयप्रकाश नारायण (d) कृष्ण सहाय
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

67th BPSC (Pre)., 2022

28. चंपारण में इंडिगो के किसानों की दशा की ओर गांधीजी का ध्यान किसने आकर्षित किया?
(a) राजेन्द्र प्रसाद (b) अनुग्रह नारायण सिन्हा
(c) आचार्य कृपलानी (d) राजकुमार शुक्ल
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

66th BPSC (Pre)., 2020

29. निम्न में से कौन-सा भारत में गांधीजी का प्रथम सत्याग्रह आंदोलन था, जिसमें उन्होंने सविनय अवज्ञा का प्रयोग किया?
(a) चंपारण (b) खेड़ा
(c) अहमदाबाद (d) रौलेट सत्याग्रह
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

66th BPSC (Pre)., 2020

30. निम्न में से महात्मा गांधी का भारत में पहला सत्याग्रह कौन-सा था?
(a) अहमदाबाद (b) बारदोली
(c) चंपारण (d) वैयक्तिक
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

64th BPSC (Pre)., 2018

ooo